Civil Services (Main)
Examination- 2025

SLPM-P-HST

इतिहास / HISTORY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : **तीन** घंटे	अधिकतम अंक : **250**
*Time Allowed : **Three** Hours*	*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. आपको दिए गए मानचित्र पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिए एवं अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग 30 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिए स्थान-निर्धारण संकेत क्रमानुसार नीचे दिए गए हैं :

Identify the following places marked on the map supplied to you and write a short note of about 30 words on each of them in your Question-cum-Answer Booklet. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim : *50*

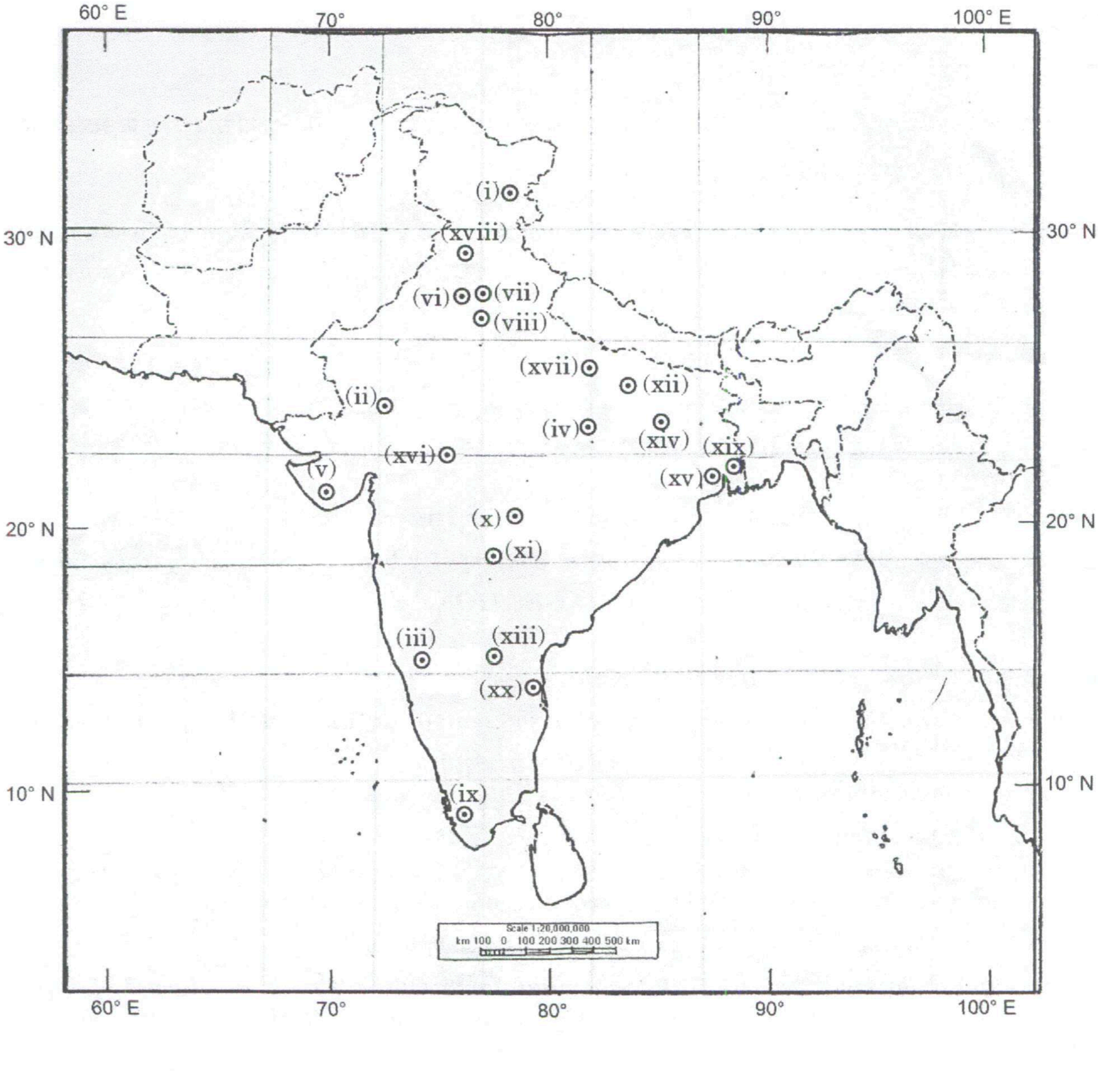

(i) नवपाषाणिक स्थल
Neolithic site

(ii) मध्यपाषाणिक स्थल
Mesolithic site

(iii) पुरापाषाणिक स्थल
Paleolithic site

(iv) प्रस्तर कलाकृति युक्त नवपाषाणिक स्थल
Neolithic site with stone artefacts

(v) सिंधु घाटी सभ्यता स्थल
Site of Indus Valley Civilization

(vi) अग्निकुण्ड युक्त प्रारंभिक हड़प्पीय स्थल
Early Harappan site with a fire-pit

(vii) उत्तर हड़प्पीय स्थल
Late Harappan site

(viii) गेरुए रंग के मृद्भांड (OCP) स्थल
The Ochre Coloured Pottery (OCP) site

(ix) मध्यपाषाणिक स्थल
Mesolithic site

(x) महापाषाणिक स्थल
Megalithic site

(xi) दक्षिण भारत का महाजनपद
Mahajanapada of South India

(xii) बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल
Site of Buddha's Mahaparinirvana

(xiii) अशोक का प्रमुख शिलालेख
Major Rock Edict of Asoka

(xiv) अशोक का लघु शिलालेख
Asokan Minor Rock Edict

(xv) मौर्यों का व्यापारिक केन्द्र
Commercial centre of the Mauryas

(xvi) शक-कुषाण सिक्कों का ज़ख़ीरा
Saka-Kushan coin hoard

(xvii) अश्वमेघ यज्ञ वर्णित एक अभिलेख
An inscription mentioning Ashvamedha Sacrifice

(xviii) मौर्योत्तर कालीन पकी ईंटों का गृह स्थल
Site of Post-Mauryan period burnt brick house

(xix) मौर्योत्तर कालीन टेराकोटा शिल्प केन्द्र
Terracotta craft centre of Post-Mauryan period

(xx) पल्लवकालीन महत्त्वपूर्ण बंदरगाह
Important port of the Pallava period

Q2. (a) "ताम्रपाषाणिक संस्कृति के लोग लघुपाषाणिक उपकरण में विशेषज्ञ थे और साथ ही प्रस्तर कार्य के कुशल कारीगर भी थे।" स्पष्ट कीजिए।
"The Chalcolithic people were experts in microliths and were also skilful workers in stone." Elucidate. *15*

(b) "हड़प्पावासी कलाप्रेमी लोग नहीं थे।" टिप्पणी कीजिए।
"The Harappans were not an artistic people." Comment. *15*

(c) "जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म द्वारा प्रस्तुत वैचारिक चुनौती की जड़ें पूर्वी भारत में कृषि-आधारित बस्तियों के विस्तार से उत्पन्न सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों में निहित थीं।" व्याख्या कीजिए।
"The ideological challenge posed by Jainism and Buddhism was deeply rooted in the socio-economic transformations brought about by the expansion of agrarian settlements in eastern India." Explain. *20*

Q3. (a) "प्रादेशिक गणराज्यों की उत्पत्ति उत्तर वैदिक काल में विकसित जीवन पद्धति के विरुद्ध प्रतिक्रिया में देखी गई है।" विश्लेषण कीजिए।

"The origin of the territorial republics has been traced to the reaction against the pattern of life that evolved in the later Vedic period." Analyse. *15*

(b) मौर्यों ने भौतिक संस्कृति का प्रसार गंगा के मैदानों में कहाँ तक सुगम कर दिया ? व्याख्या कीजिए।

How far did the Mauryans facilitate the diffusion of the material culture of the Gangetic plains ? Explain. *15*

(c) प्रथम से तृतीय शताब्दी ईसवी के दौरान भारत के मध्य एशिया से संपर्कों की प्रकृति एवं प्रभाव का परीक्षण कीजिए। इन संपर्कों ने भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों को किस प्रकार से प्रभावित किया ?

Examine the nature and impact of India's contacts with Central Asia during the 1^{st} to 3^{rd} century CE. How did these interactions influence India's political, cultural and economic spheres ? *20*

Q4. (a) "पूर्व मध्यकालीन भारत में सामाजिक गतिशीलता की प्रक्रिया जातिगत पदानुक्रम, धार्मिक वैधता, आर्थिक परिवर्तन और राजनीतिक संरक्षण में जटिल अंत:क्रिया से प्रभावित थी।" आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए कि इन कारकों ने सामूहिक रूप से पूर्व मध्यकालीन भारतीय सामाजिक संरचना को कैसे पुनर्गठित किया।

"The dynamics of social mobility in early medieval India were shaped by a complex interplay of caste hierarchies, religious legitimation, economic transformation and political patronage." Critically assess how these factors collectively reconfigured the structure of early medieval Indian society. *15*

(b) उन परिस्थितियों की विवेचना कीजिए जिनके कारण पल्लवों और चालुक्यों के मध्य संघर्ष हुए और बताइए कि इस प्रतिद्वन्द्विता ने दक्षिण भारत की सत्ता संरचना को कैसे प्रभावित किया।

Discuss the circumstances which led to the conflict between the Pallavas and the Chalukyas and mention how this rivalry shaped the power dynamics in South India. *15*

(c) पूर्व मध्यकालीन भारत में कला और साहित्य के विकास के प्रमुख चरणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार ये चरण उस काल के समाज एवं संरक्षण स्वरूप में व्यापक परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करते हैं।

Critically evaluate the major stages in the development of art and literature in early medieval India and explain how these stages reflected the broader changes in society and patterns of patronage during the period. *20*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) "उत्तर मध्यकालीन भारत में धार्मिक विषयों ने प्रांतीय भाषाओं के साहित्य के एक बड़े अनुभाग को प्रेरित किया।" टिप्पणी कीजिए।

"Religious themes inspired a large section of literature in provincial languages in late medieval India." Comment. *10*

(b) "अलाउद्दीन खिलजी के आर्थिक उपायों का लक्ष्य दिल्ली सल्तनत में राजनीतिक सत्ता का केंद्रीकरण था।" स्पष्ट कीजिए।

"Alauddin Khilji's economic measures aimed at centralising political authority in the Delhi Sultanate." Elucidate. *10*

(c) मुगल भारत में शाही कारखानों की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। वे मुगल राज्य की वैचारिक और कार्यात्मक अनिवार्यताओं को किस प्रकार प्रतिबिंबित करते हैं ?

Critically assess the role of imperial Karkhanas in Mughal India. How did they reflect the ideological and functional imperatives of the Mughal State ? *10*

(d) "सिख धर्म के सिद्धांत इस्लामी और भारतीय (इंडिक) धार्मिक विश्वासों एवं प्रथाओं के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का प्रतिनिधित्व करते हैं।" टिप्पणी कीजिए।

"The principles of Sikhism represented a harmonious blend of Islamic and Indic religious beliefs and practices." Comment. *10*

(e) मुगल युग के दौरान बारूद ने भारत में युद्ध के चरित्र को बदल दिया। स्पष्ट कीजिए।

Gunpowder changed the character of warfare in India during the Mughal era. Elucidate. *10*

Q6. (a) टोडरमल की राजस्व प्रणाली की संरचनात्मक विशेषताओं की विवेचना कीजिए और मूल्यांकन कीजिए कि भारत में किस हद तक यह प्रणाली भू-राजस्व निर्धारण में मानकीकरण लाने में सफल रही।

Discuss the structural features of Todar Mal's revenue system and evaluate its effectiveness in standardized land revenue assessment in India. *15*

(b) बरनी की "फतवा-ए-जहाँदारी" दिल्ली सल्तनत का सही विवरण नहीं, अपितु एक विलाप (आक्षेप) था। स्पष्ट कीजिए।

Barani's "Fatwa-i-Jahandari" was not a proper account of the Delhi Sultanate, rather a lament. Elucidate. *15*

(c) मुगल संरक्षण में हिंदी साहित्य के विकास पर चर्चा कीजिए। भक्ति और सूफ़ी आंदोलनों ने इसे किस प्रकार से प्रभावित किया ?

Discuss the development of Hindi literature under Mughal patronage. How did the Bhakti and Sufi Movements influence it ? *20*

Q7. (a) पुर्तगाली समुद्री शक्ति ने 16वीं सदी में हिंद महासागर में व्यापार के स्वरूप को बाधित किया। समीक्षा कीजिए।

Portuguese maritime power disrupted the character of trade in the Indian Ocean in the 16^{th} century. Review. *15*

(b) अकबर की राजपूत नीति मुगल दरबार के गुटीय राजनीतिक विचारों द्वारा निर्मित थी। विवेचना कीजिए।

Akbar's Rajput policy was shaped by considerations of factional politics in the Mughal court. Discuss. *15*

(c) उत्तर भारत की कृषि संरचना पर मुगलकालीन राजस्व प्रशासन के प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए। इसने ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को किस हद तक निरंतरित एवं परिवर्तित किया ?

Evaluate the impact of Mughal revenue administration on the agrarian structure of North India. To what extent did it bring continuity and change in the rural socio-economic fabric ? *20*

Q8. (a) "औरंगज़ेब की धार्मिक नीति मुगल साम्राज्य की बदली हुई राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिबिंब थी।" स्पष्ट कीजिए।

"Aurangzeb's religious policy was a reflection of the changed political realities of the Mughal Empire." Elucidate. *15*

(b) मुगल साम्राज्य के अन्तर्गत विशिष्ट प्रांतीय स्थापत्यगत शैलियों के उत्कर्ष को संरचनात्मक विविधता, सांस्कृतिक अंत:क्रिया और प्रांतीय सत्ता संरचनाओं की प्रकृति के प्रकाश में परिभाषित कीजिए।

Define the rise of distinct provincial architectural styles under the Mughal Empire in light of structural diversity, cultural interaction and the nature of provincial power dynamics. *15*

(c) 18वीं शताब्दी में मराठा राज्य के स्वरूप में परिवर्तन लाने वाले राजनीतिक, सैन्य एवं प्रशासनिक कारकों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इन परिवर्तनों ने इसके उत्थान और अंतत: पतन को किस प्रकार प्रभावित किया ?

Critically examine the political, military and administrative factors that led to the transformation of the Maratha character in the 18^{th} century. How did these changes influence its rise and eventual decline ? *20*